फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 57 प्रभात जयपुर, बुधवार 27 सितम्बर, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Tradition of leading from the front

Some call 'leading from the front' overambition, misplaced bravado or lapse of better sense – it may be shades of all of these, Kargil was possible thanks to that unique josh

Connect To Your Senses

Judging Mental Health Posts On Social Media

इकतालीस साल बाद ड्रैसाज (इक्वेस्ट्रियन हॉर्स राइडिंग) में गोल्ड मैडल जीतकर भारत ने इतिहास रचा है। चीन में आयोजित हो रहे एशिअन गेम्स में भारत ने यह शानदार सफलता हासिल की। टीम के सभी चार भारतीय घुड़सवारों ने शानदार प्रदर्शन किया। अपने घोड़े "एट्रो" पर सवार अनुष अग्रवाल 71.088 अंक के स्कोर के साथ सबसे आगे रहे। घोड़े "केमक्सप्रो एमरल्ड" पर सवार हृदय छेदा 69.941 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि दिव्यकृति सिंह ने 68.176 अंक हासिल किए और अपने घोड़े "चिन्स्की" के साथ सुदीप्ति हजेला ने 66.706 अंक अपने नाम किए। भारतीय टीम का कुल स्कोर 209.205 रहा, इस प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम को गोल्ड मैडल हासिल हुआ। व्यक्तिगत रैंकिंग के अनुसार, अनुष अग्रवाल और हृदय छेदा, सिउ जैकलीन विंग यिंग के बाद दिन के दूसरे और तीसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। सभी चार भारतीय घुड़सवार बुधवार को व्यक्तिगत ड्रैसाज इंटरमीडिएट प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेंगे। उम्मीद की जा रही है कि, ये खिलाड़ी व्यक्तिगत स्पर्धा में भी गोल्ड मैडल हासिल करेंगे। भारतीय टीम की इस जीत में जयपुर की दिव्यकृति सिंह का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। दिव्यकृति सिंह इस जीत के बाद ग्लोबल रैंकिंग में 14वीं व एशियाई रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं। दिव्यकृति सिंह अजमेर के मेयो गर्ल्स कॉलेज की पूर्व छात्रा हैं।

दिल्ली और जयपुर के बीच युद्ध छिड़ गया है कांग्रेस में

गहलोत जिस तरह से वरिष्ठ नेताओं को साइडलाइन कर रहे हैं, उससे राहुल गांधी बेहद रूष्ट हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। क्या अब कांग्रेस पार्टी में दिल्ली बनाम जयपुर की स्थिति बन गई है। माहौल में एक बदलाव दिखाई दे रहा है क्योंकि अशोक गहलोत जिस तरह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी करने की कोशिश कर रहे हैं तथा अपनी स्वयं की प्रधानता दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, उस तौर-तरीके से राहुल गांधी नाराज़ हैं।

सूत्रों का कहना है कि जब गहलोत ने जयपुर में राहुल-खड़गे की जनसभा में वक्ताओं की सूची से सचिन पायलट का नाम हटा दिया था हालांकि राहुल ने इसे फिर से शामिल करा दिया था उसके बाद हवाई अड्डे पर राहुल ने रंधावा से जवाब तलब किया।

दोनों की बातचीत के समय मौजूद लोगों का कहना है कि राहुल ने बड़ी रुखाई के साथ रंधावा से कहा था, "अगर आप पार्टी के मामलों के समन्वयन एवं प्रबंधन में सक्षम नहीं हैं तो बेहतर होगा कि आप अपने पद से इस्तीफा दे दें।" इस्तीफा देने के बजाय, रंधावा ने कहा कि वे सब कुछ व्यवस्थित करेंगे तथा उसके परिणाम दिखाई देंगे।

रंधावा ऐसे व्यक्ति हैं जो मुख्यमंत्री के पूरी तरह, "यस मैन" हैं तथा राहुल गांधी बिना किसी खास हाल चाल के उन्हें बर्खास्त कर देंगे।

उल्लेखनीय है कि अब दिल्ली और जयपुर के बीच खुली लड़ाई है तथा यह और भी बड़े रूप में तब दिखाई देगी, जब टिकट-वितरण प्रक्रिया चलेगी तथा गहलोत अपने समर्थकों को टिकट दिलाने की कोशिश करेंगे, जबकि सुनील कानूगोलू ने अपने सर्वे की रिपोर्ट में कहा है कि अगर पार्टी को अच्छा प्रदर्शन करना है तो 60 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिये जाने चाहिये।

राहुल गांधी ने गौरव गोगोई से कह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल गांधी ने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से यहां तक कह दिया कि, अगर आप पार्टी को मैनेज नहीं कर सकते तो बेहतर होगा पद से इस्तीफा दे दें।
- रंधावा ने लेकिन पद छोड़ने से इंकार कर दिया। रंधावा पूरी तरह से गहलोत के नियंत्रण में हैं और यह सब जानते हैं कि, वे गहलोत के कहे अनुसार ही काम करते हैं।
- दिल्ली और जयपुर की यह जंग कांग्रेस के टिकट वितरण के समय और ज्यादा उभरेगी, क्योंकि गहलोत अपने समर्थक विधायकों को टिकट देना चाहते हैं और इसके लिए कई मनगढंत सर्वे और रिपोर्ट भी पेश की जा रही हैं।
- राहुल गांधी ने साफ कह दिया है कि, टिकट वितरण में सुनील कानूगोलू की रिपोर्ट को ही आधार बनाया जाए। सुनील की रिपोर्ट के अनुसार, अगर कांग्रेस को अच्छा प्रदर्शन करना है तो, 60 प्रतिशत विधायकों के टिकट काटने होंगे।
- सुनील कानूगोलू कर्नाटक में कांग्रेस के प्रमुख रणनीतिकारों में शामिल थे, उन्होंने कर्नाटक में चुनाव प्रचार के नए-नए तरीके बताए तथा कई सर्वे किए, जिनकी वजह से वहां कांग्रेस को जीत मिली।

मुम्बई के सहकारी बैंक का लाइसैंस रद्द

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आर.बी.आई.) ने सोमवार, 25 सितम्बर से "कपोल को-ऑपरेटिव बैंक ऑफ मुम्बई" का लाइसैंस रद्द कर दिया। मंगलवार से बैंक में पैसों का लेन-देन नहीं हो सकेगा। यह एक और ऐसा बैंक है जिसका लाइसैंस अभी हाल ही रद्द हुआ है।

- रिज़र्व बैंक ने यह कहते हुए कपोल सहकारी बैंक का लाइसैंस रद्द कर दिया कि, बैंक के पास जमाकर्ताओं को भुगतान करने के लिए पैसा नहीं है।

आर.बी.आई. ने बैंक का लाइसैंस क्यों रद्द किया?

आर.बी.आई. ने कहा कि इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

'हाई कोर्ट के 80 जजों के नाम दस महीने से लम्बित हैं'

सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति व तबादले में केन्द्र सरकार की ढिलाई की आलोचना की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। आज सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार द्वारा न्याय के रास्ते में रोड़े अटकाने की मोदी सरकार की चालों को रेखांकित करते हुए कहा "हाई कोर्ट से 8 नाम 10 माह से अधिक समय से लंबित पड़े है।

जजों की नियुक्ति का मामला कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक दूसरे को नीचा दिखाने का हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि केन्द्र सरकार ने उच्च न्यायालयों की सिफारिशें अभी तक कोलीजियम के पास नहीं भेजी हैं।

केन्द्र द्वारा नामों को स्वीकृति देने में विलंब के आरोप पर याचिकाओं को सुनते हुए जस्टिस संजय कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बैंच ने कहा कि वे मामले पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं। हाई कोर्ट से प्राप्त 80 नाम 10 माहों से लंबित पड़े हैं। केवल एक आधारभूत प्रक्रिया पूरी होनी है। आपकी राय जाननी है ताकि कोलीजियम कार्रवाई कर सके।

बैंच ने कहा कि एक "हाई कोर्ट में 26 जजों और एक संवेदनशील हाई कोर्ट में चीफ जस्टिस की नियुक्ति करनी है।

जस्टिस कौल ने कहा, "मेरे पास सूचना है कि हाई कोर्ट से सिफारिश किए हुए कितने नाम लंबित हैं जो कोलीजियम तक नहीं पहुंचे।

- जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बैंच ने कहा कि, वे इस मामले पर कड़ी नज़र रखे हुए हैं और उन्हें पता है कि, हाई कोर्ट ने कितने नामों की सिफारिश की, पर नाम अभी तक कोलीजियम को नहीं भेजे गए हैं।
- एटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण ने केन्द्र सरकार की तरफ से जवाब पेश करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। कोर्ट ने उन्हें दो सप्ताह का समय दिया, पर कहा कि, इस बार जवाब के साथ ही कोर्ट में पेश हों।

एटॉर्नी जनरल आर. वैंकटरमण ने जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। बैंच ने उन्हें दो सप्ताह देते हुए केन्द्र सरकार के जवाब के साथ उपस्थित होने को कहा। अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी।

कड़ी टिप्पणी में जस्टिस कौल ने कहा, "मुझे बहुत कुछ कहना है लेकिन मैं खुद को रोक रहा हूं। मैं इसलिए चुप हूं क्योंकि एटॉर्नी जनरल ने एक सप्ताह का समय मांगा है लेकिन अगली तारीख पर मैं चुप नहीं रहूंगा।"

2014 में जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से जजों की नियुक्ति के मामले में कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच विवाद चल रहा है। मोदी सरकार ने तो 2014 में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग भी बनाया था, ताकि हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति में उसका वर्चस्व रहे लेकिन अक्टूबर 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। केन्द्रीय मंत्री लगातार जोर दे रहे है कि जजों के चयन में सरकार की भूमिका होनी चाहिए।

कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच विवाद और बढ़ गया जब गत वर्ष उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने टिप्पणी की कि कैसे सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने कानून को अस्तित्वहीन कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा कि कोलीजियम व्यवस्था देश का कानून है जिसका अक्षरशः पालन होना चाहिए। उसने कहा कि केवल इसलिए यह देश का कानून बंद नहीं होता कि समाज के कुछ वर्ग कोलीजियम व्यवस्था के खिलाफ हैं।

कोलीजियम व्यवस्था भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह व नड्डा आज जयपुर में

जयपुर 26 सितंबर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह एक दिवसीय प्रवास पर बुधवार को जयपुर आ रहे हैं। दोनों नेता करीब शाम 7 बजे भाजपा मुख्यालय पहुचेंगे।

दोनों नेता भाजपा मुख्यालय के विभिन्न बैठके लेंगे और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ चुनाव सम्बंधित मसलों पर चर्चा करेंगे।

- गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा प्रदेश के चुनावों के संबंध में पार्टी की कई बैठके करेंगे और नेताओं से फीडबैक लेंगे।

जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजस्थान के चुनाव को लेकर नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर फीडबैक भी लेंगे। सूत्रों के अनुसार वे कोर कमेटी एवं नेताओं से अलग-अलग चर्चा भी कर सकते हैं। नड्डा व अमित शाह का संघ कार्यालय जाने का भी कार्यक्रम बताया जा रहा हैं। वहां वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह को हाशिए पर धकेलने की तैयारी

विधानसभा प्रत्याशियों की लिस्ट में अभी तक भी शिवराज का नाम शामिल नहीं किया गया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। नवीनतम समाचारों के अनुसार मध्य प्रदेश को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भाजपा के भीतर ही गंभीर प्रतिद्वंदिता का सामना करना पड़ रहा है।

एक असामान्य कदम के तौर पर पार्टी नेतृत्व ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों को आगामी विधानसभा चुनाव लड़वाने का निर्णय लिया है:- नरेन्द्र सिह तोमर, प्रहलाद पटेल आर. फग्गन सिंह कुलस्ते। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और कुछ वर्तमान सांसदों को भी उम्मीदवार बनाया जा रहा है। संक्षेप में, शीर्ष पद के लिए मुकाबला भारी हो जाएगा, अगर भाजपा सत्ता में लौट आई। पार्टी के सूत्र पहले ही संकेत दे चुके हैं कि चुनाव के बाद कोई भी बड़ा नेता मुख्यमंत्री बन सकता है।

वर्तमान मुख्यमंत्री का नाम उम्मीदवारों की पहली सूची में घोषित करने की पुरानी परम्परा के विरूद्ध चौहान का नाम भाजपा द्वारा अभी तक जारी की गई दो सूचियों में नहीं है। पार्टी ने 79 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं और संभव है कि चौहान का नाम शेष 151 उम्मीदवारों की सूची में हो।

लेकिन अभी चौहान की स्थिति हल्की लग रही है। साथ ही घटनाक्रम ने विपक्षी कांग्रेस को मौका दे दिया, चौहान और भाजपा पर हमला बोलने का। कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार कमलनाथ ने कहा कि चौहान का नाम प्रत्याशी के रूप में जारी करने में भाजपा की असफलता इस बात का पुख्ता सबूत है कि भाजपा हार मान रही है। भाजपा में आत्मविश्वास की कमी है और इस पर उसे अपने सबसे बड़े गढ़ में सबसे बड़ी हार मिलेगी। भाजपा की डबल इंज़िन की सरकार डबल हार की ओर बढ़ रही है।

कमलनाथ के पार्टी सहयोगी रणदीप सुरजेवाला ने दावा किया है कि भाजपा को अब विपक्ष से डर लग रहा है। अपनी तरफ से चौहान अभी तक टीम वाला खेल खेल रहे हैं। जब उनसे कैबिनेट मंत्रियों और सांसदों को उम्मीदवार बनाने के लिए पूछा गया तो मुख्यमंत्री ने कहा, "यह शानदार और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जबकि परम्परा है कि, मुख्यमंत्री का नाम पहली लिस्ट में ही घोषित कर दिया जाता है।
- भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों और कुछ सांसदों को मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में उतारा है। केन्द्रीय नेतृत्व ने संकेत दिया है कि चुनाव के बाद कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है।

कांग्रेस का चुनावी मुद्दा, जात आधारित जनगणना

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गत सप्ताह संसद में जात आधारित जनगणना की मांग की थी, अब यही मांग कांग्रेस का मुख्य मुद्दा बन गई है। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि पारदर्शिता व समान वितरण के लिए जात आधारित जनगणना जरूरी है।

- ओ.बी.सी. मतों को अपने पक्ष में करने के लिए कांग्रेस जात आधारित जनगणना का मुद्दा जोर शोर से उठा रही है।

कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि भारत की आबादी का 60 प्रतिशत ओ.बी.सी. है लेकिन उन्हें उनकी आबादी के अनुपात में हक नहीं मिला है। अनुसूचित जाति, जनजाति के विपरीत इन्हें राजनैतिक आरक्षण भी नहीं मिला है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के कोटपूतली आवास सहित 10 व्यवसायिक ठिकानों पर ई.डी. की रेड

करीब 9 घंटे चली कार्यवाही, 5 गाड़ियों में सवार होकर आए करीब डेढ़ दर्जन अधिकारी कार्यवाही में शामिल रहे

कोटपूतली, 26 सितम्बर (निसं)। एक ओर जहां विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे है, वहीं, राजस्थान में सत्ताधारी पार्टी के गृहमंत्री के यहां हुई ईडी की रेड ने सियासी गलियारों में भूचाल ला दिया है।

मामला गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव से जुड़ा है। पांच गाड़ियों में सवार होकर आई, करीब डेढ दर्जन प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) अधिकारियों की टीम ने गृह राज्य मंत्री के कोटपूतली आवास सहित दस व्यवसायिक ठिकानों पर छापेमारी की है।

सूत्रों के अनुसार, कार्रवाही के दौरान अधिकारियों ने दो मोबाइल जब्त किए और मौके पर ताला तोड़ने वाले एक युवक को भी बुलाया है। बताया जा रहा है कि, करीब 9 घंटे चली कार्रवाही में 2 अलमारियों व एक बॉक्स का ताला तोड़कर कुछ अहम दस्तावेज जब्त किए हैं।

मंगलवार अल सुबह करीब 7 बजे से शाम 4.15 बजे तक चली कार्यवाही में ईडी की टीम ने लोगों का आना जाना बंद करते हुए घर में मौजूद कर्मचारियों से भी उनके मोबाईल आदि ले लिये, जों बाद में लौटा दिए गए। बताया जा रहा है कि, कार्यवाही के वक्त स्वयं गृह राज्यमंत्री यादव व उनके बेटे भी आवास पर ही मौजूद थे। टीम ने लैपटॉप व प्रिन्टर आदि भी अन्दर मंगवाकर कार्यवाही को आगे बढ़ाया।

गौरतलब है कि, विगत 7 सितंबर 2022 को भी मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव की, कोटपूतली के पाथरेड़ी स्थित फैक्ट्री सहित 53 ठिकानों पर इन्कम टैक्स विभाग की रेड हुई थी। दरअसल मामला मिड-डे मील सप्लाई में हुई गड़बड़ी से जुड़ा बताया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब राजेन्द्र यादव से संबंधित कंपनियों में रेड हुई थी, तब कमलजीत राणावत, सतीश मूलचंद व्यास से संबंधित कंपनियों में भी रेड की गई थी और 15 बैंक लॉकरों को भी खोला गया था। बताया जा रहा है कि, इन्कम टैक्स विभाग को करोड़ों की राशि घोषित नहीं की जा रही थी और स्थानीय सूत्रों के अनुसार राजेन्द्र यादव के परिवार जनों ने लगभग 14 करोड़ रूपये इन्कम टैक्स को सरेंडर किये थे।

जिस कंपनी में रेड की गयी थी उनमें से एक कम्पनी, एम.आर.टी. एन्टरप्राइज़ेज थी। जिसमें राजेन्द्र यादव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सूत्रों ने बताया कि, ई.डी. ने 2 मोबाइल सहित अहम् दस्तावेज जब्त किए व 3 ताले भी तोड़े।
- गत वर्ष 7 सितम्बर को आई.टी. ने भी राजेन्द्र यादव के 53 ठिकानों पर छापा मारा था।
- शाम को ई.डी. की कार्यवाही के बाद मंत्री राजेन्द्र यादव ने जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रैंस कर कहा कि, मेरा कोई लेना देना नहीं है, मुझे सिर्फ बेवजह परेशान किया जा रहा है।

बॉलीवुड की अतिलोकप्रिय अभिनेत्री वहीदा रहमान को भारतीय सिनेमा जगत के सर्वोच्च सम्मान "दादा साहब फाल्के" पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने "एक्स" अकाउंट पर एक लंबा नोट शेयर कर यह जानकारी दी। फिल्म प्यासा, कागज़ के फूल, चौदहवीं का चांद, साहब बीवी और गुलाम, गाइड और खामोशी जैसी कई चर्चित फिल्मों में अपने अभिनय से वहीदा रहमान ने बहुत प्रसिद्धि हासिल की। पांच दशक से अधिक की अभिनय यात्रा में वहीदा रहमान को पद्मश्री और पद्म भूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।